11.5.21

Date ______
Page ______

Ch-3

गिल्लू

प्रश्न उत्तर

1) सोनजुही में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में कौन सा विचार उमड़ने लगे?

A) सोनजुही में लगी पीली कली को देख लेखिका को गिल्लू की याद आ गई। गिल्लू एक गिलहरी थी जिसकी जान लेखिका ने बचाई थी। उसके बाद से गिल्लू का पूरा जीवन लेखिका के साथ बीता था। लेखिका ने गिल्लू की मौत के बाद गिल्लू के शरीर को इसी सोनजुही के पौधे के नीचे दफनाया था। इसीलिए जब भी लेखिका सोनजुही में लगी पीली कली को देखती थी उसे लगता था जैसे गिल्लू उन कलियों के रूप में उसे चौंकाने आ गया है।

मैं सोनजुही में लगी पीली
देखकर लेखिका के मन
में विचार उमड़े

में लगी पीली
देखकर लेखिका को
याद आ गई। गिल्लू
को छिपाकर चौंका
बचाई थी। उसके
गिल्लू का जन्म
लेखिका के साथ
था। लेखिका को गिल्लू
के बाद गिल्लू के
इसी सोनजुही में
देखकर ... लेखिका

(2) पाठ के आधार पर कौए को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी क्यों कहा गया है?

A) हिंदू धर्म में ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के समय पूर्वज कौवे के रूप में आते हैं। एक अन्य मान्यता है जब कौवा काँव-काँव करता है तो इसका मतलब होता है कि घर में कोई मेहमान आने वाला है। इस कारण से कौवे को सम्मान दिया जाता है। लेकिन दूसरी ओर, कौवे के काँव काँव को अशुभ भी माना जाता है। इसलिए कौवे को एक साथ समादरित और अनादरित प्राणी कहा गया है।

Date
Page

(3) घिल्हरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया?

A) घिल्हरी के घायल बच्चे के घाव पर लगी खून को पहले रुई से साफ किया गया। उसके बाद उसके घाव पर पेंसिलिन का मलहम लगाया गया। उसके बाद रुई को दूध में डुबो कर उसे दूध पिलाने की कोशिश। की गई जो असफल रही क्योंकि अधिक घायल होने के कारण कमज़ोर हो गया था और दूध की बूंदे उसके मुँह से बाहर गिर रही थी। लगभग ढाई घंटे के उपचार के बाद घिल्हरी के बच्चे के मुँह में पानी की दुध बूंद जा सकी।

(4) लेखिका को ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

A) लेखिका को ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके

पैरों के पास आता और फिर सर्र से पर्दे पर चढ़ जाता था। उसके बाद वहाँ पर्दे से उतरकर लेखिका के पास आ जाता था। यह सिलसिला तब तक चलता रहता था जब तक लेखिका गिल्लू को पकड़ने के लिए दौड़ नहीं लगा देती थी।

(5) गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और इसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

A) लेखिका के घर में रहते हुए गिल्लू के जीवन का प्रथम बसंत आया। नीम-चमेली की गंध लेखिका के कमरे में भी धीरे धीरे फैलने लगी। लेखिका कहती हैं कि बाहर की गिलहरियाँ उसके घर के खिड़की की जालियों के पास आकर चिक-चिक करके न जाने क्या कहने लगी जिसके कारण गिल्लू

खिड़की के बाहर फेंकने लगा। गिल्लू को जाली के पास बैठकर अपनेपन से इस तरह बाहर झांकते देखकर लेखिका को लगा इसे आज़ाद करना अब जरूरी है। लेखिका ने खिड़की पर लगी जाली की कील निकालकर जाली का एक कोना खोल दिया और गिल्लू के बाहर जाने का रास्ता बना दिया।

(6) गिल्लू किन अर्थों में परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?

A) जब लेखिका अस्पताल से घर आई तो गिल्लू उसके सिर के पास बैठा रहता था। वह अपने नन्हे पंजों से लेखिका के सिर और बाल को सहलाता रहता था। इस तरह से वह किसी परिचारिका की भूमिका निभा रहा था।

गिल्लू के किन चेष्टाओं से
वह आभास मिलने लगा था
कि अब उसका अंत समय
समीप है?

A) गिल्लू ने दिन भर कुछ नहीं
खाया था। वह रात बाहर भी
नहीं गया था। रात में वह बहुत
तकलीफ में लग रहा था।
उसके कारण वह अपने झूले
से उतरकर लेखिका के पास
आ गया। गिल्लू ने अपने
ठंडे पंजों से लेखिका की
उंगली पकड़ ली और उनके
हाथ से चिपट गया। इससे
लेखिका को लगा कि गिल्लू का
अंत समय समीप है।

(4) प्रभात की प्रथम किरण के
स्पर्श के साथ ही वह
किसी और जीवन में जागने
के लिए सो गया - का आशय
स्पष्ट कीजिए।

A) इस पंक्ति में लेखिका ने

प्रत्येक की मान्यता
है स्वीकार किया है।
लेखिका को लगता है
कि गिल्लू अपने अगले
जन्म में किसी अन्य
प्राणी के रूप में जन्म
लेगा।

(Q) सोनजुही की लता
के नीचे क्यों गिल्लू को समाधि
दी लेखिका के मन
में विश्वास था जन्म होता
है?

A) लेखिका ने गिल्लू को
उस जुही के पौधे के नीचे
दफनाया था क्योंकि गिल्लू
को वह सबसे अधिक प्रिय
था। लेखिका ने ऐसा
इसलिए किया था
क्योंकि लेखिका को उस
छोटे से जीव में किसी
वसंत में जुही के पीले
रंग के छोटे फूल में खिलने
का विश्वास था। लेखिका

को एक अलग तरह का
संतोष सा था।